A New Ray Of hope

# ANNUAL REPORT

# 2017 - 2018

A STEP TOWARDS FULFILMENT OF THE VISION AND MISSION OF DEPRESSED COMMUNITY DEVELOPMENT FOUNDATION OVERALL DEVELOPMENT OF THE SOCIETY

Reg office: Mohalla Syedwara Post Satti Masjid

City and District Ghazipur 233001

U.P India.

Tel: 9305707160/ 8840646466

Email- dcdfaamir1618@gmail.com

# MESSAGE FROM MANAGING TRUSTEE

**DEPRESSED COMMUNITY DEVELOPMENT FOUNDATION** is getting new heights day by day, year over year and approaching various parts across the country for social cause. The team of DCDF is working day & night, restlessly for accomplishing the purpose for which the organisation has been established. This year also, thousands of marginalised, vulnerable, deprived and disadvantaged people especially children, women & youth have been touched by the organisation. We have successfully run the programmes on women empowerment, health, gender sensitization, youth empowerment, during the year. The Foundation also provided services to the society with regard to vocational training, education, skill development, yoga & research, legal aid & counseling etc. from time to time the whole year.

Needless to say that my colleagues, team members, staff of DCDF, partners and other organisations associated with DCDF made it possible. Their co-operation, with regard to achieve the aim of the foundation, is appreciable. I am thankful to all of them for helping needy people keeping their personal comfort aside and thereby enhancement of shine of DCDF.

I, on behalf of DCDF, also extend sincere thanks and gratitude to all donors and sponsor for their generous support. We really value your association with us for socio- economic development of the society in need

# ABOUT THE ORGANISATION

Rooted in the belief that grass root development is the foundation for a bright and shining India, **DEPRESSED COMMUNITY DEVELOPMENT FOUNDATION** was born out of the determination and hard work of a dedicated team, willing to fight all odds and reach out to the needy and vulnerable sections of the society.

'Depressed Community Development Foundation' is a non-profit organization. It aims to build a society where the vulnerable, living on the fringes of the establishment, can become an integral part of the system and secure their future by getting equal opportunities. This organisation is committed to the welfare of youth, adolescents, children, women specially related to scheduled caste/tribe communities. It is functioning since May'2009 and registered in 2011 with registration No.24Dated 26/04/2011. The organisation is working for social development through counseling, skill development cum training services, yoga awareness campaigns, promotion of sports and cultural activities, formation of community groups (SHGs/JLGs), self-employment projects and various other community related activities in collaboration with different Govt./Non-Govt. agencies like Nabard, Unicef, Easy Naukari, Vodafone etc

## PHILOSOPHY

Depressed Community Development Foundation believes in the contemporary context of community and social development which involves the development of people's capabilities as the core objective. It has been reiterated through various theories that the freedom to achieve well-being is of primary importance and the best way to understand that freedom is through making capabilities and real opportunities available to people to do and be anything that they attach value to. Therefore, DCDF has extended their reach into various requirements under multiple fields of a target group.

# ***Periodic Progress Report***

## 1- Basic information

**Name of CSO : Depressed Community Development Foundation**

**Reporting Period : 1st April 2017 to 31st March, 2018**

## 2- Brief Background of the project:-

हस्तक्षेपित क्षेत्र, प्रदेश का सबसे उपेक्षित एवं अत्यन्त पिछड़े जनपदों में से एक है। इस क्षेत्र से रोजगार की तलाश में काफी अधिक लोग पलायन करतें है। दलित व वंचित समुदाय की महिलाएं घर के काम काज से समय निकालकर मनरेगा के अन्तर्गत मजदूरी करके घर परिवार की दैनिक आव यकताओं की पूर्ति करने में मदद करती हैं। क्षेत्र में महिलाओं के साथ परम्परागत तरीके से घर के फैसले करने या सामाजिक व राजनैतिक मुद्दों पर उनके साथ भेद–भाव किया जाता है। यद्यपि परिवार के अधिकांश काम वही करतीं है और परिवार को आगे बढ़ाने में उनका काफी योगदान होता है पर महिलाओं के विचारों को बहुत कम सुना व स्वीकार किया जाता है और उनके अधिकारों की अनदेखी की जाती है।

इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सूचकों की स्थिति दयनीय है जो विकास का एक महत्वपूर्ण सूचक है। साक्षरता दर कम होने के कारण समुदाय में स्वास्थ्य जागरूकता की स्थिति भी खराब है। समुदाय के स्वास्थ्य की देख–भाल के लिए जो क्षेत्र का बंटवारा किया गया है वह भी असमान है। इन सबके पीछे जो मुख्य कारण निकल कर आता है वह है स्वास्थ्य नियोजन में समुदाय की सहभागिता की कमी एवं एकतरफा नियोजन।

- भूमिका –

**डिप्रेस्ड कम्युनिटी डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन, सैय्यदबाड़ा, सट्टी मस्जिद, गाजीपुर (उ0प्र0)** में युवाओं, बुद्धिजीवियों तथा सामाजिक व्यक्तियों द्वारा गठित एक गैर राजनैतिक, गैर सरकारी व अलाभकारी स्वैच्छिक संगठन है जो **इण्डियन ट्रस्ट एक्ट १८८२** के अन्तर्गत पंजीकृत है।

संस्था का मुख्य उद्दे य मानव जीवन के स्तर में सुधार लाना एवं जागरूकता पैदा करना है। ग्रामीण गरीबों के विकास के लिये सरकारी एवं गैर सरकारी योजनाओं की जानकारी तथा गॉव स्तर तक उन योजनाओं को पहुचाना। स्वास्थ्य, शिक्षा, एवं पर्यावरण के विषय में जागरूक एवं शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना। अभावग्रस्त लोगों में चेतना पैदा करके उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु उत्साहित करना। इसमें क्षेत्रिय पिछड़ेपन, गरीबी से संबंधित कृषि एवं स्वावलम्बी कृषि विकास, महिलाओं एवं पुरूषों को रोजगार देकर उन्हें आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान करने के लिए तथा बच्चों, महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा संबंधी समस्याओं का समाधान, कृषि विकास एवं वानिकी, युवा कल्याण नेतृत्व प्रशिक्षण तथा पुरूष व बच्चों के विकास के लिये अभियान का संचालन एवं उत्साहित करने के लिए गठन किया गया।

## प्रशिक्षण कार्यक्रम –

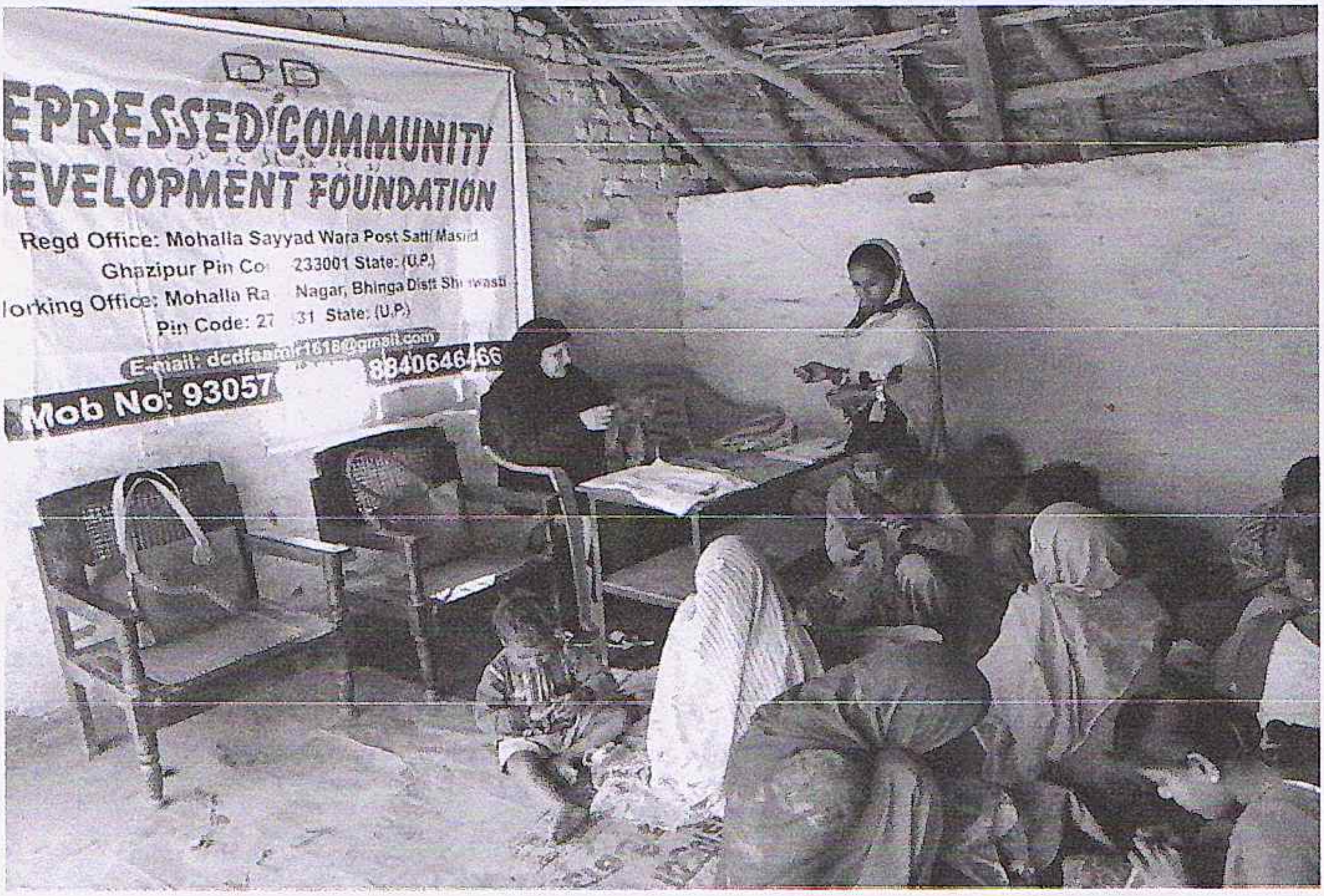


डिप्रेस्ड कम्युनिटी डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन फाउण्डेशन द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत हुनर विकास के सन्दर्भ में सर्वे कराया गया तथा जो लड़कियाँ विद्यालय नही जा रही है या बीच में ही पढ़ाई किन्ही कारणों वश छोड़ दी है। उनको सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, एम्ब्रायडरी आदि के प्रशिक्षण हेतु प्रेरित किया गया तथा उन्हें उनकी रूचि के अनुसार उन्हें सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, स्वेटर बुनाई, पैच वर्क में प्रशिक्षण दिया गया, जिससे महिलाएँ अपने आर्थिक समस्याओं का निदान स्वयं करने में सक्षम हो जाय और गरीबी रेखा से ऊपर उठकर अपना विकास कर सकें। फाउण्डेशन यह कार्य जिला गाजीपुर के सदर ब्लाक मे नवाबगंज मे जिसमे 38 महिलाओ को प्रशिक्षण दिलवाया गया और जिला श्रावस्ती के ब्लाक हहिरपुर रानी के तीन ग्रामो मे 3 माह का निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण दिलवाया गया। जिसमे ग्राम तिवारीपुरवा मे 94 महिलाओ को प्रशिक्षण दिलवाकर सशक्त किया गया उसी प्रकार से ग्राम दमरा तथा चहलवा मे भी 182 महिलाओ ने भाग लिया।

## विकलांग कल्याण कार्यक्रम –

फाउण्डेशन द्वारा अंध/मूक/बधिर विकलांगों के लिये शिक्षा व उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है और स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से गरीब महिलाओं व बच्चों को लाभाविन्त करती आ रही है। संस्था अपने कार्यकर्ता सहित पल्स पोलियों अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रही है साथ ही परिवार स्वास्थ्य ज़ागरूकता के प्रति भी लोगों को उत्साहित व जागरूक करने का कार्य कर रही है।

## हस्तकला कल्याण एवं विकास कार्यक्रम –

फाउण्डेशन के द्वारा हस्त शिल्प कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं को हथकरघा उघोग की जानकारी दी गयी एवं कटिंग, सेविंग, निटिंग एवं एम्ब्रायडरी मशीन से संबंधित जानकारिया एवं प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 20 पुरूषों एवं 28 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। नगरीय क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं एवं किशोरियों की जागरूकता के बाद रोजगार करने के लिए महिलाओं के रूचि के अनुसार उन्हे हस्तशिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत वाल हैंगिंग, कैण्डिल मेंकिंग, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, डोर मैट, आशनी इत्यादि का प्रशिक्षण दिया गया है, जिसमें महिलाएँ / पुरूष अपने आर्थिक समस्याओं का निदान स्वयं करने में सक्षम हो जाय और गरीबी की रेखा से ऊपर उठकर स्वयं के विकास के साथ ही राश्ट्र का विकास कर सकें।

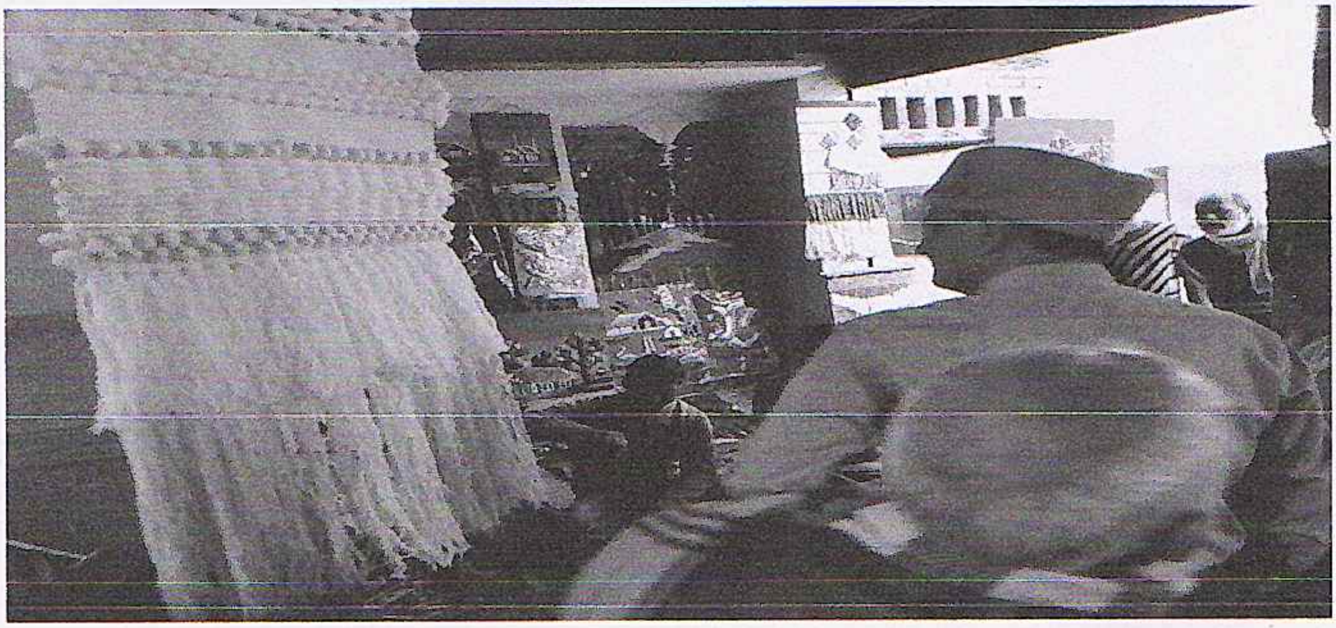

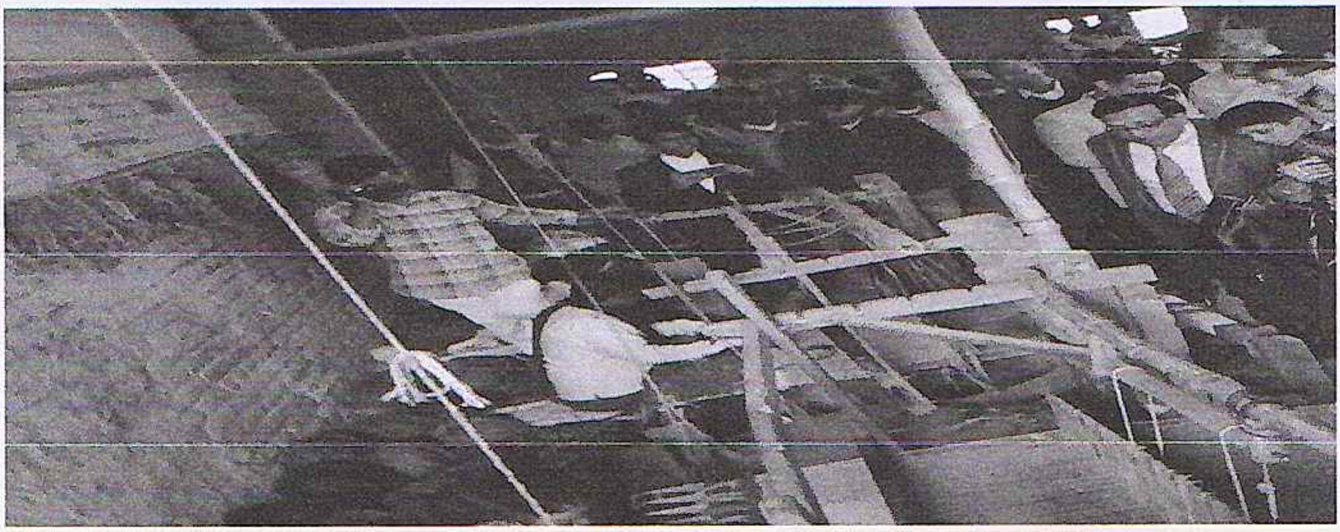

**महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम एवं बाल विकास कार्यक्रम –**

समाजिक संरचना में नारी की भूमिका न केवल बच्चों के विकास के लिये उत्तरदायी है बल्कि वह वैयक्तिक, सामाजिक आर्थिक, राजनैतिक, भौगोलिक और सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है। आज जीवन का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा है जहाँ महिलाएँ अपनी उत्कृष्ट भूमिका नही निभा रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में संस्था द्वारा दलित तथा पिछड़े वर्ग के युवक–युवतियों तथा बच्चों के विकास के लिए संस्था द्वारा कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें कई गावों में बच्चे एवं महिलाओं को बताया गया कि समाज की स्थिति जानने के लिये उन्हें शिक्षित होना अति आवश्यक है। बिना शिक्षित हुए महिलाएँ अपना पारिवारिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास नहीं कर सकती है। महिलाएँ हर स्तर के सोशण का शिकार होती रही है। इसका सबसे बड़ा कारण अशिक्षा है इसलिये सामाजिक कुरीतियों से संघर्श करने के लिये शिक्षित होना जरूरी है तभी दलित व पिछड़े समुदाय का विकास संभव है। इसके साथ ही उपरोक्त कार्यक्रम के माध्यम से समाज में समरसता प्राप्त करने एवं मौलिक अधिकारों के साथ ही साथ कन्या भ्रूण हत्या तथा नारी उत्पीड़न आदि विशयों पर भी जागरूक किया गया। फाउण्डेशन यह कार्य जिला श्रावस्ती के ब्लाक हहिरपुर रानी के ग्रामो धन्नीडी, लक्षमनपुर, मछरीहवा, पतिझिया मे कर रही है।

DEPRESSED COMMUNITY
DEVELOPMENT FOUNDATION
Mob No: 9305707160, 8840646466

DEPRESSED COMMUNITY
DEVELOPMENT FOUNDATION

उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम –

फाउण्डेशन द्वारा जिला गाजीपुर विकास खण्डः बिरनों और जिला श्रावस्ती के ब्लाक हहिरपुर रानी में कार्यशाला व गोष्ठी के माध्यम से व्यापारियों द्वारा ग्राहकों को मिलावटी सामानों तथा प्रिन्टेड मूल्य से अधिक रूपये वसूलने तथा वस्तुओं की गुणवत्ता में कमी के खिलाफ बताया गया तथा उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। नगरीय एवं ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में इस प्रकार के आयोजन किये गये जिसमें 62 व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया। स्थानीय लोगों के अतिरिक्त जन प्रतिनिधियों में भी अपनी सहभागिता निभायी तथा संस्था द्वारा कन्ज्यूमर्स एवरनेस कम्पेन प्रोग्राम हेतु एक प्रस्ताव भारत सरकार को भी भेजने की योजना बना रही है।

## शिक्षा कार्यक्रम –

डिप्रेस्ड कम्युनिटी डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन फाउण्डेशन द्वारा वर्तमान में शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। जनपद– गाजीपुर और श्रवस्ती में सम्पादित की गयी। सम्पूर्ण साक्षरता अभियान की निरन्तरता बनाये रखने के उद्देश्य से विकास खण्ड– मनहारी मे 15–35 वर्ष के पुरूष/महिलाएँ जो निरक्षर थी सर्वे कराकर नव वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों पर साक्षर बनाने हेतु संस्था द्वारा यह कार्य किया जा रहा है। संस्था विकलांगों को समुचित विकास करने हेतु विंकलांग स्कूल खोलने की भी योजना बना रही है।

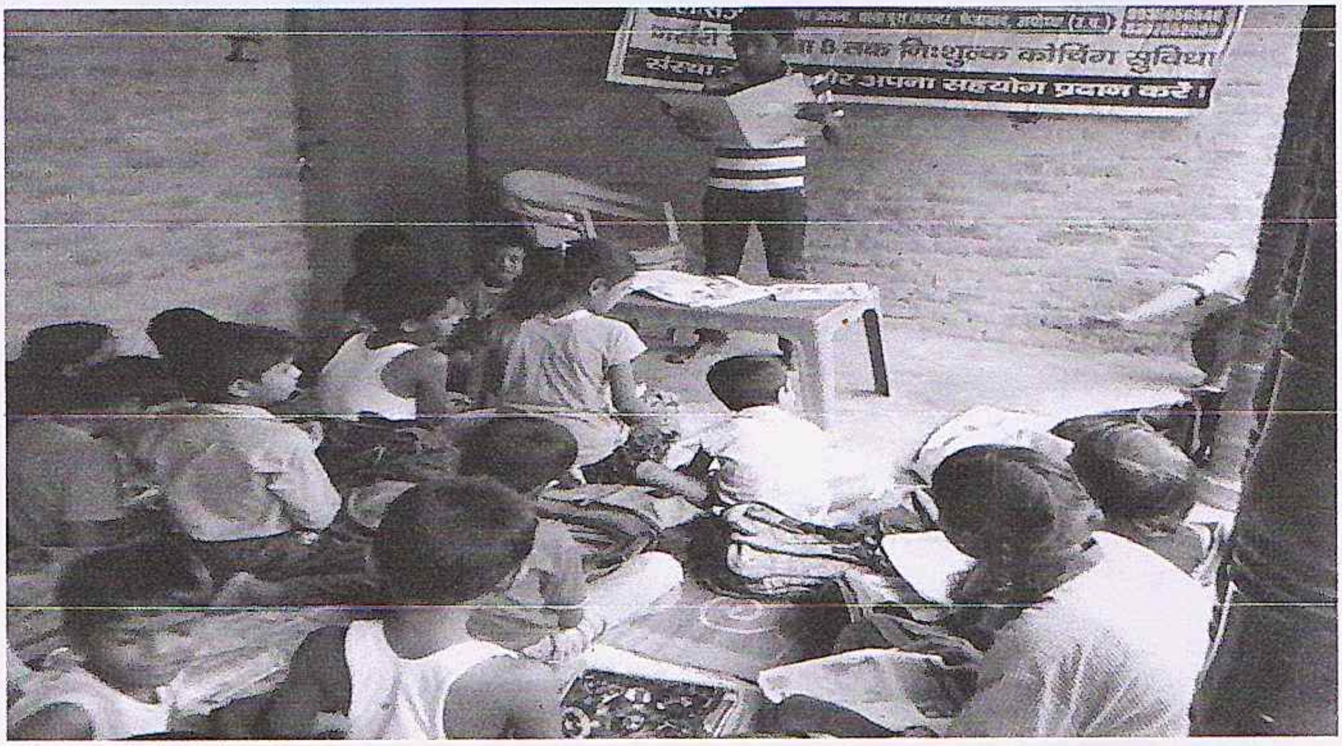

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विकास खण्ड– मनीहारी मे 28 और जिला श्रावस्ती के ब्लाक हहिरपुर रानी मे 43 अत्यन्त पिछड़े एवं गरीब युवक – युवतियों को संस्था द्वारा लाभार्थियों को आर्थिक सहयोग देकर संस्था द्वारा स्वयं कम्प्यूटर ट्रेनिंग दिलवायी गयी।

**राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान कार्यक्रम –**

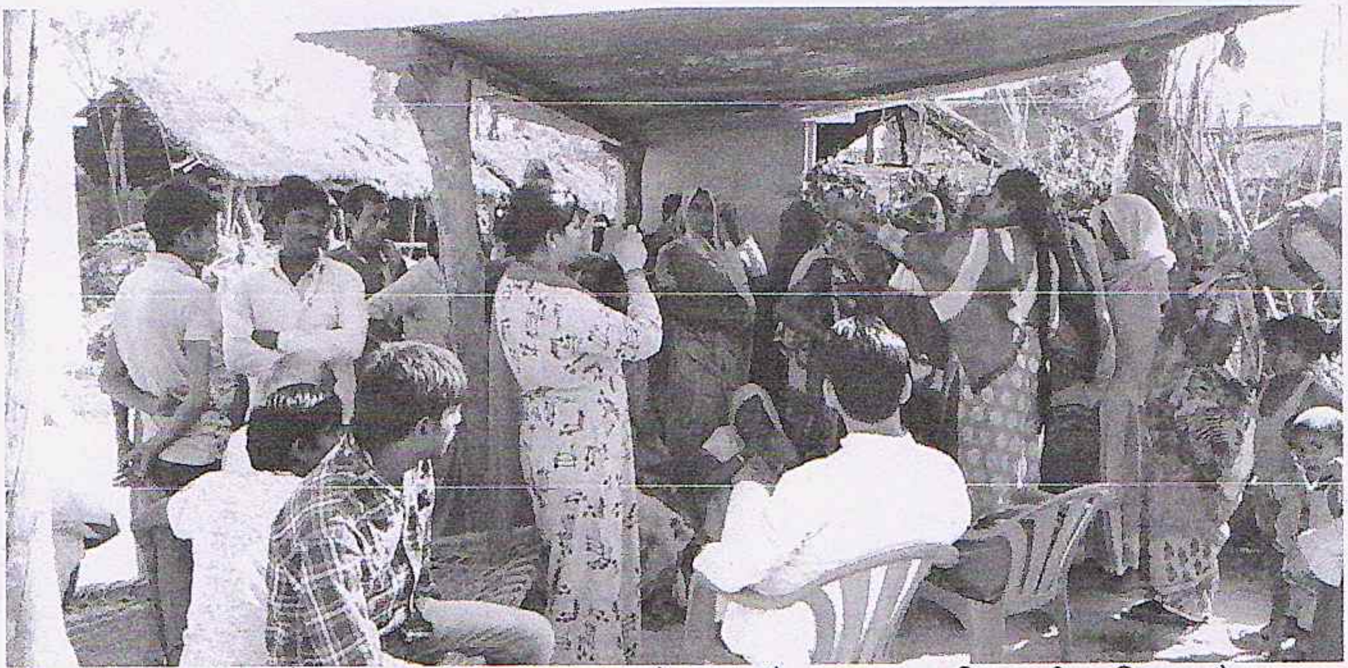

आज के युग में पर्यावरण का कितना महत्व हो गया है। यह एक विचारणीय विशय है। जब–जब पर्यावरण प्रभावित हुआ है उसका प्रभाव मानव ही नही, पशु, पक्षी एवं अन्य जीव जन्तुओं को प्रभावित किया है। विकास खण्ड– बिरनों के जंगीपुर कृशि मण्डी में जागरूकता कैम्प का आयोजन कर बैलगाड़ियों तथा इक्के पर अधिक बोझ न लादने के लिये पशु क्रुरता के बारे में जानकारी दी गयी और उन्हें बताया गया कि मानव के समान पशु ही पशु होता है इसलिये क्षमता के अनुसार ही आप लोग इस पर सामान लादे साथ ही पशु कल्याण बोर्ड के प्रान्तीय प्रशिक्षिक ने उनके स्वास्थ्य का भी चेकअप किया और उनको अवगत कराया।

फाउण्डेशन के द्वारा पर्यावरण को शुद्ध करने वाले पक्षियों जैसे गिद्ध एवं जीवों मे कछुओं और जंगली पक्षियों में मोर आदि जैसे निरीह जंगली जानवरों का सर्वेक्षण अपने स्वयंसेवकों के द्वारा गाजीपुर जनपद में स्थित गोमती के कछार और गंग बरारों में स्थित झाड़ियों आदि में विधिवत् ढ़ग से सम्पन्न कराया है। इसके साथ ही पालतू जानवरों जैसे– कुत्तें, बिल्ली, बन्दर, मैना, तोता आदि पर अमानवीय कृत्यों को रोकने हेतु इनके पालकों को मानवीय संवेदनाओं का पाठ पढ़ाने का कार्य अपने स्वयं सेवकों के द्वारा सम्पन्न कराया है। इतना ही नहीं विभिन्न स्थानों पर कुत्तों व बन्दों के काटने से होने वाले रोगों की रोकथाम के लिये एण्टी रैबीज कैम्पों का भी आयोजन कराया गया। साथ ही वृक्षारोपण हेतु लोगों को जागरूक किया गया।

**ग्रामीण एवं कृषि विकास कार्यक्रम –**

फाउण्डेशन द्वारा अपने कार्य क्षेत्र मे अन्तर्गत किसानों को फसलों के उत्पादन में वृद्धि

एवं खेत की उर्वरक भाक्ति को बनाये रखने के लिये जगह–जगह पर वर्मी कम्पोस्ट के बारे में विशेषज्ञों के माध्यम से जानकारी देते हुए कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत किसानों को केचुओं की उपलब्धता और उपयोगिता पर चर्चा करते हुए अनेकों किसानों को इसके लाभ से लाभान्वित किया जा रहा है। साथ ही ग्रामीण किसानों को संस्था द्वारा जगह–जगह शिविर का आयोजन कर किसानों को उन्नत ढ़ग से कम लागत में कृषि को बढ़ावा देने का सुझाव उद्यान विभाग, कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञों द्वारा ग्राम – सरैया में दिया गया साथ ही औशधीय खेती जैसे – तुलसी,

ऑवला, मेंहदी, पिपरमेन्ट आदि की खेती कर अधिक से अधिक आर्थिक रूप से आय सृजन करने की विधियों से अवगत कराया गया। डिप्रेस्ड कम्युनिटी डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन फाउण्डेशन जिला श्रावस्ती और गाजीपुर मे यह कार्य कर रही है।

### जल संरक्षण एवं स्वच्छता कार्यक्रम –

फाउण्डेशन द्वारा जिला श्रावस्ती के ग्रामीणों के बीच पेयजल पर आधारित कार्यक्रम का संचालन विकास खण्ड करण्डा में आयोजित किया गया। जिसमें संस्था विशेषज्ञों, सम्मानित पत्रकारों वह जनप्रतिनिधियों आदि ने प्रतिभाग कर इसके गुणवत्ता एवं कार्य प्रणाली पर विशेष रूप से चर्चा कियां। साथ ही संस्था द्वारा विशेष रूप से लोगों को वर्षा के जल को एकत्रित कर उसके प्रबन्धन के बारे में बताया गया जिससे भूगर्भ जल स्तर को और नीचे गिरने से रोका जा सकें।

फाउण्डेशन द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वस्छ पानी पीने के लिये विभिन्न प्रकार के तरीकों को बताया गया तथा जल पम्प तथा छाजन युक्त कुओं का पानी पीने के संबंध में जानकारियॉ दी गयी साथ ही साथ गन्दे पानी से होने वाली बीमारियों से बचाव के लिये भी जनता को जागरूक किया गया एवं जल प्रदूषण को रोकने अथवा कम करने के तरीकों से भी अवगत कराया गया।

### स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम (एड्स जागरूकता, पल्स पोलियों आदि कार्यक्रम)–

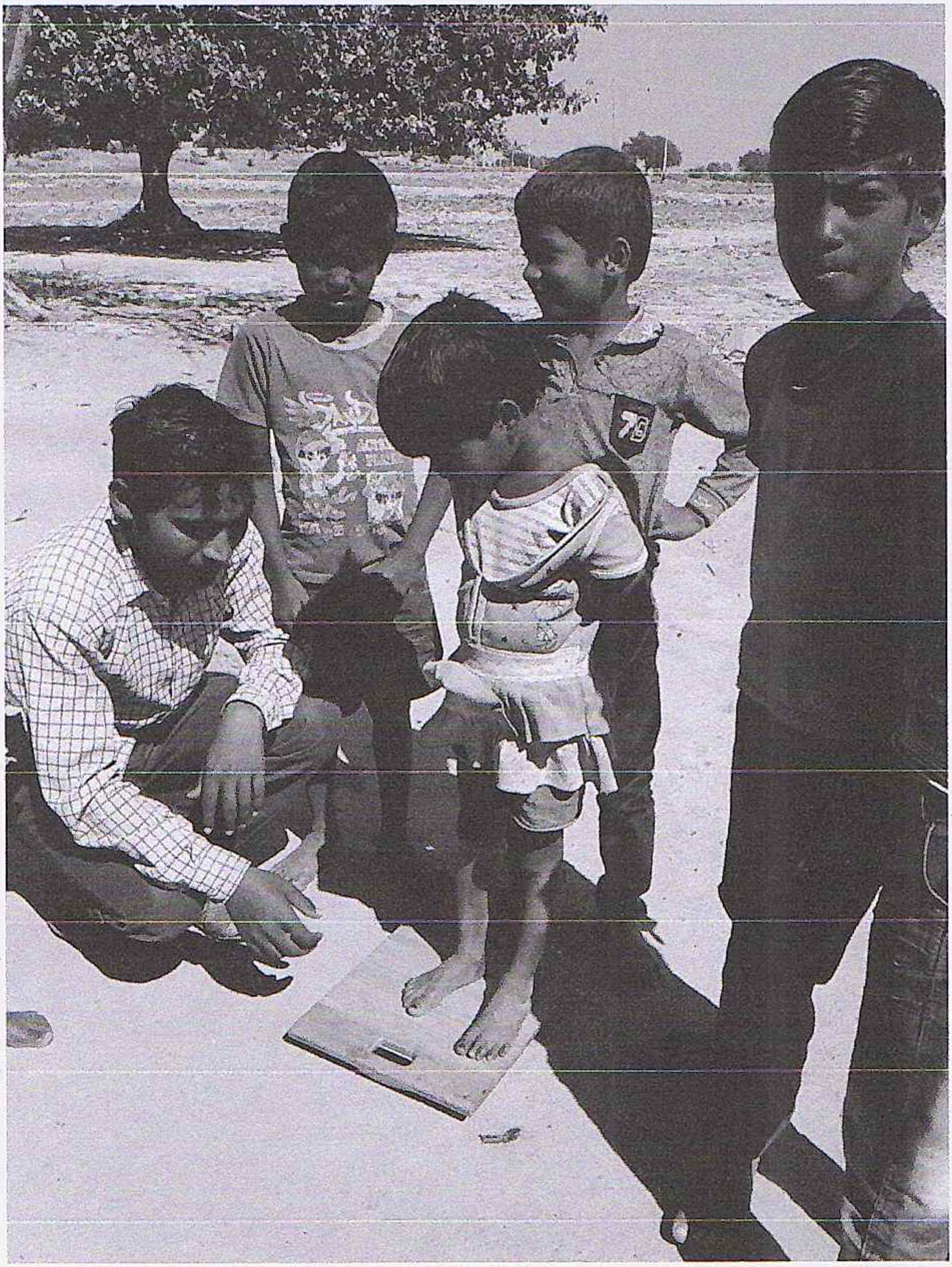

कम अवस्था में गर्भवती हो जाने से महिलाओं में जागरूकता की कमी के कारण उनका शारीरिक विकास सही ढ़ग से न होने के कारण अल्प आयु में गर्भ ग्रहण करना महिलाओं के लिये अत्यन्त घातक एवं होने वाले बच्चे बिल्कुल कमजोर व रोगी होने का भय रहता है। इस परिवेश में उनके जीवन रक्षार्थ संस्था डाक्टर की सलाह लेने की जरूरत पर बल देते हुए उन्हें पोष्टिक आहार लेने एवं संयम बरतने की बात बतायी। गर्भवती महिलाओं

को टिटनेस का टीका भी लगाया गया एवं बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति काफी जानकारी डाक्टरो के माध्यम से संस्था द्वारा समय–समय पर चेकअप कराया जाता है। बच्चों को नाखून काटने के लिए प्रेरित किया गया तथा इससे होने वाली बीमारियों के संबंध में भी बताया गया जिसमें बच्चों को डी0पी0टी0, बी0सी0जी0, पोलियो खुराक तथा विटामिन 'ए' की खुराक भी दी गयी।

फाउण्डेशन द्वारा नुक्कड़ रैली के माध्यम से पल्स पोलियों जैसे खतरनाक बीमारियों पी–1, पी–2, व पी–3 वायरस के संबंध में जानकारी दिया गया एवं उनको टीकाकरण कराने के लिये प्रोत्साहित करना तथा टीकाकरण के सुनिश्चित दिनांक पर डाक्टरों को ले जाकर गांवों में बच्चों को टीका लगवाना। साथ ही साथ उनके अभिभावकों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी देना, जो बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के लिये चलायी जा रही है जिसके अन्तर्गत सट्टी मस्जिद, सैय्यदबाड़ा व मियापुरॉं, बरबरहना आदि स्थानों पर बच्चों को एक्स एवं एक्स बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाया गया।

एड्स जैसे जानलेवा बीमारी से बचने के लिये संस्था द्वारा गांवों एवं कस्बों में जगह–जगह जागरूकता कार्यक्रम चलाकर लोगों को इस बीमारी से संबंधित जानकारी दी गयी एवं उसके बचाव के विभिन्न तरीकों/उपयों को अपनाकर एड्स के रोकथाम की जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में काफी लोगों ने प्रतिभाग किया एवं कार्यक्रम से लाभान्वित हुए। साथ ही विशेष तौर से इस बात पर बल दिया गया कि एड्स की रोकथाम जागरूकता से ही संभव है न कि उपचार से।

**सांस्कृतिक कार्यक्रम –**

समाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक दृश्टिकोण से अति पिछड़े हुए गरीब महिलाओं, बच्चें एवं युवकों के साथ वरिश्ठ नागरिकों ( 60 वर्श से ऊपर) को जागृत कर उनको सामाजिक बुराईयों जैसे मद्यपान, बाल विवाह, अन्धवि  वास, अस्पृ  यता आदि से दूर करने के लिये एक विचार गोश्ठी के माध्यम से उन्हें अवगत कराया गया। सामाजिक कल्याण कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी गीत एवं लोक संगीत के द्वारा जन–जन तक पहुचाने के लिये संस्था कार्यक्रम आयोजित करती है जिससे, लोगों तक सरकारी, गैर सरकारी, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक, सामाजिक, शैक्षणिक, सामाजिक न्याय आदि कार्यक्रमों की जानकारी हो सकें।

**श्रम विभाग –**

डिप्रेस्ड कम्यूनीटी डेवलपमेंट फाउण्डेशन द्वारा जिला श्रावस्ती व जिला गाजीपुर के श्रमिकों का  पंजीकरण जागरूकता कार्यक्रम कराया जा रहा है।

जो लोग भवन निर्माण में कार्य करते हैं वैसे लोगो का पंजीकरण कराने का कार्य कर रही है और उससे वंचित लोगो को जोड़ रही है । फाउण्डेशन जिला श्रावस्ती मे 145 व जिला गाजीपुर मे 118 श्रमिका का पंजीकरण करवा चुकी है।

**आपदा प्रबन्धन कार्यक्रम –**

फाउण्डेशन द्वारा जिला श्रावस्ती के विकास खण्ड– हहिरपुर रानी के दमरा,चहलवा तिवारीपुरवा, आदि गांवों का सर्वेक्षण कराकर प्रत्येक ग्राम में नवदलों का गठन किया गया जिसमें भविष्य में भूकम्प, सूखा राहत, बाढ़ जैसे प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिये ग्राम स्तर पर सुरक्षा समिति एवं आपदा प्रबन्धन समिति का नवगठन किया गया।

**ईजी नौकरी-**

फाउण्डेशन द्वारा बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। इस स्टार्टप प्रोग्राम में बेरोजगारों का पंजीकरण कराया जा रहा है और योग्यता अनुसार उन्हे रोजगार से जोड़ा जा रहा है। इस स्टार्टप प्रोग्राम में 18 वर्श

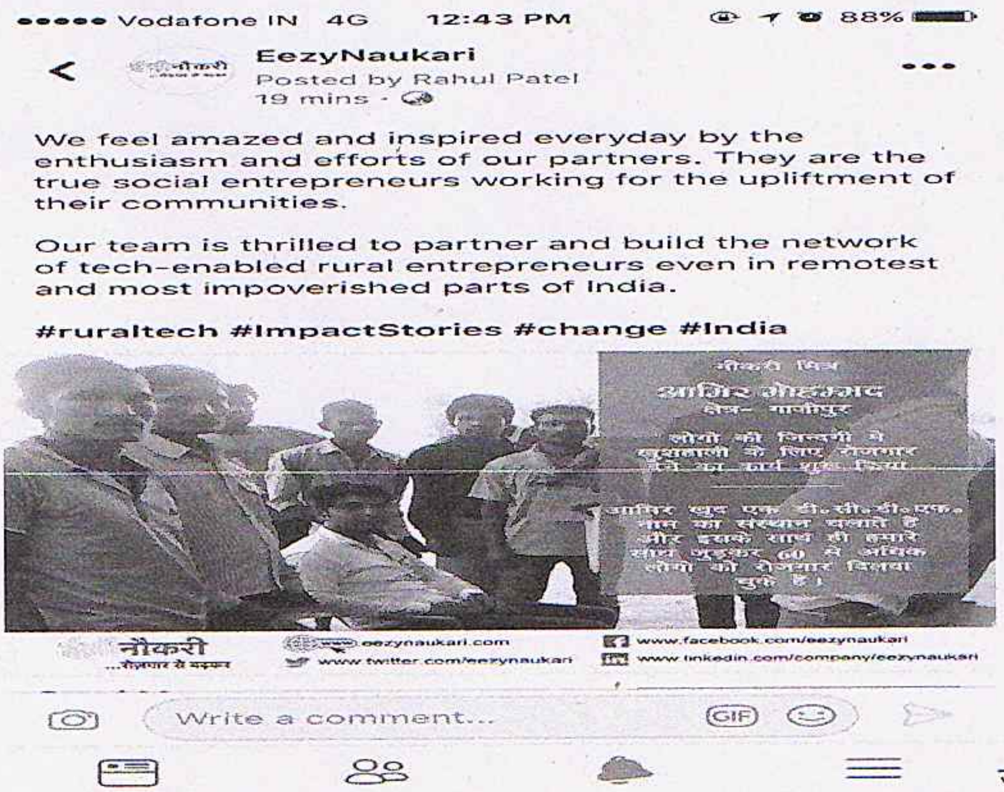


से 40 वर्श के युवाओं को निःशुल्क पंजीकरण कराया जा रहा है अधिकतम नौकरी में युवाओं के रहने व खाने की व्यवस्था निःशुल्क है, और कार्य एवं योग्यता अनुसार उनका मानदेय है। डिप्रेस्ड कम्युनिटी डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन कुल 202 युवाओं का पंजीकरण करवा चुकी है और जिसमे से 62 को रोजगार से जोड़ी है।

**वोडाफोन पंजीकरण-**

संस्था गाजीपुर जनपद में वोडाफोन द्वारा चलाये जा रहे वोडाफोन छात्रवृत्ति कार्यक्रम में बाहरी व ग्रामीण छात्र व छात्राओं को निःशुल्क पंजीकरण कराया गया है। फार्म कैम्प लगाकर, स्कूल में जाकर भरवाया गया है और उसे समयानुसार जमा कराया गया है 3450 फार्म संस्था द्वारा भरवाया गया है।